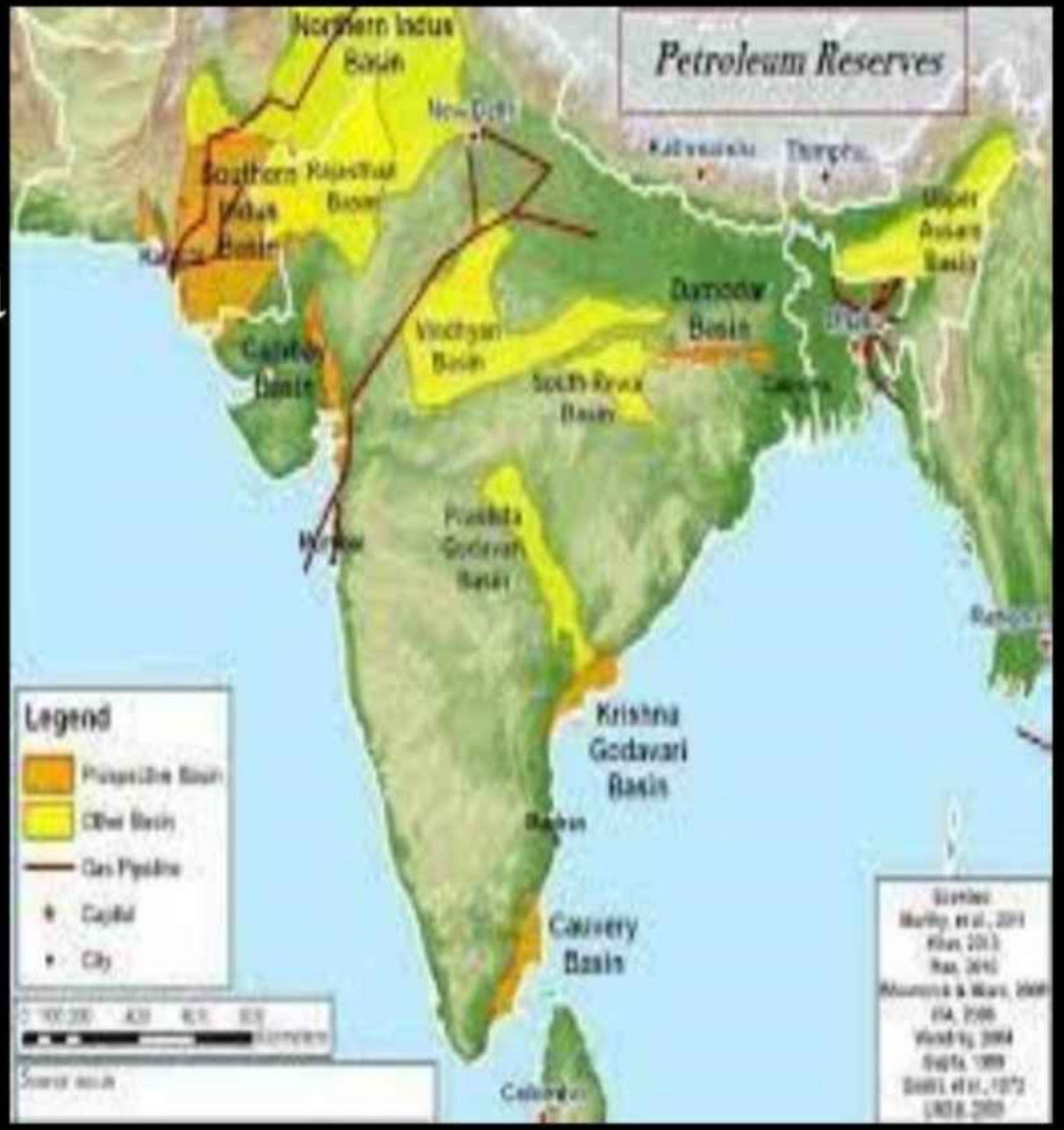
भारत के खनिज

Minerals of India





- खनि + ज = खानों से निकला हुआ अर्थात पृथ्वी के भूगर्भ से निकाला गया पदार्थ जिसका एक निश्चित रासायनिक संगठन हो, जिसे मानव न बना सके खनिज कहलाता है।

khani + J = extracted from the mines, that is, the substance extracted from the earth's soil, which has a certain chemical composition, which cannot be made by humans, is called a mineral.)

- खनिजो को उपलब्धता के आधार पर तीन भागो में बांटा जा सकता है-

(Minerals can be divided into three parts on the basis of availability-)

(1) धात्विक (2) अधात्विक (3) उर्जा खनिज

(1) Metallic (2) Non-metallic (3) Energy minerals







खनिज (Minerals)

- धात्विक (Metallic)
  - लौह (Iron)
  - अलौह (Non-Iron)
- अधात्विक (Non-Metallic)
- ऊर्जा खनिज (Energy Minerals)

उर्जा खनिज

Energy Minerals:-









- वे खनिज जिनसे उर्जा की प्राप्ति होती है, उर्जा खनिज कहलाते है। इन्हे उपयोग व उपलब्धता के आधार पर दो उपभागो में विभाजित किया जा सकता है -

Energy Minerals: Those minerals from which energy is obtained are called energy minerals. These can be divided into two sub-parts on the basis of usage and availability-

(1) ईंधन खनिज :- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैंस आदि ।

(1) Fuel minerals :- Coal, petroleum, natural gas etc.



(2) आण्विक खनिज :- थोरियम, यूरेनियम, ग्रेफाइट, लिथियम, बेरेलियम आदि।

(2) Molecular Minerals :- Thorium, Uranium, Graphite, Lithium, Beryllium etc.



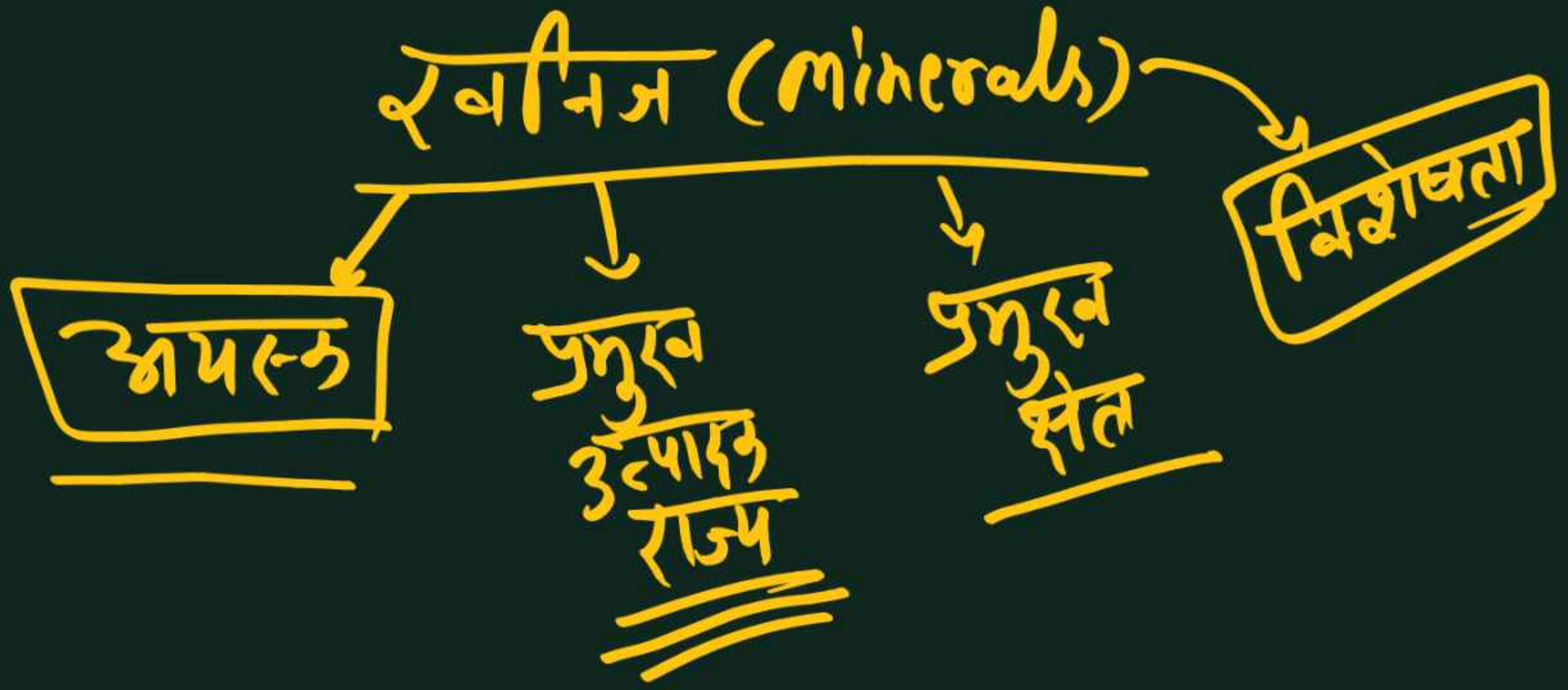






Note-1 → इस टॉपिक का डाटा परिवर्तनीय है। अत: Exam से पहले एक बार डाटा को Confirm(check) कर लें (प्रमाणित स्रोत से)

Note 2-) इस Class का डाटा ZMYB 2018, ZMYB 2020 पर आधारित है।


खनिज (minerals)
विशेषता
अधात्विक
प्रमुख उत्पादक राज्य
प्रमुख क्षेत्र

लौह अयस्क
(सभ्यता की रीढ़)

Iron ore
(Backbone of Civilization)





Example

उत्पादन

1.5 टन

2 हजार टन

भण्डारण



ओडिशा



कर्नाटक

- लौह अयस्क को सभ्यता की रीढ कहा जाता है।

Iron ore is called the backbone of civilization.

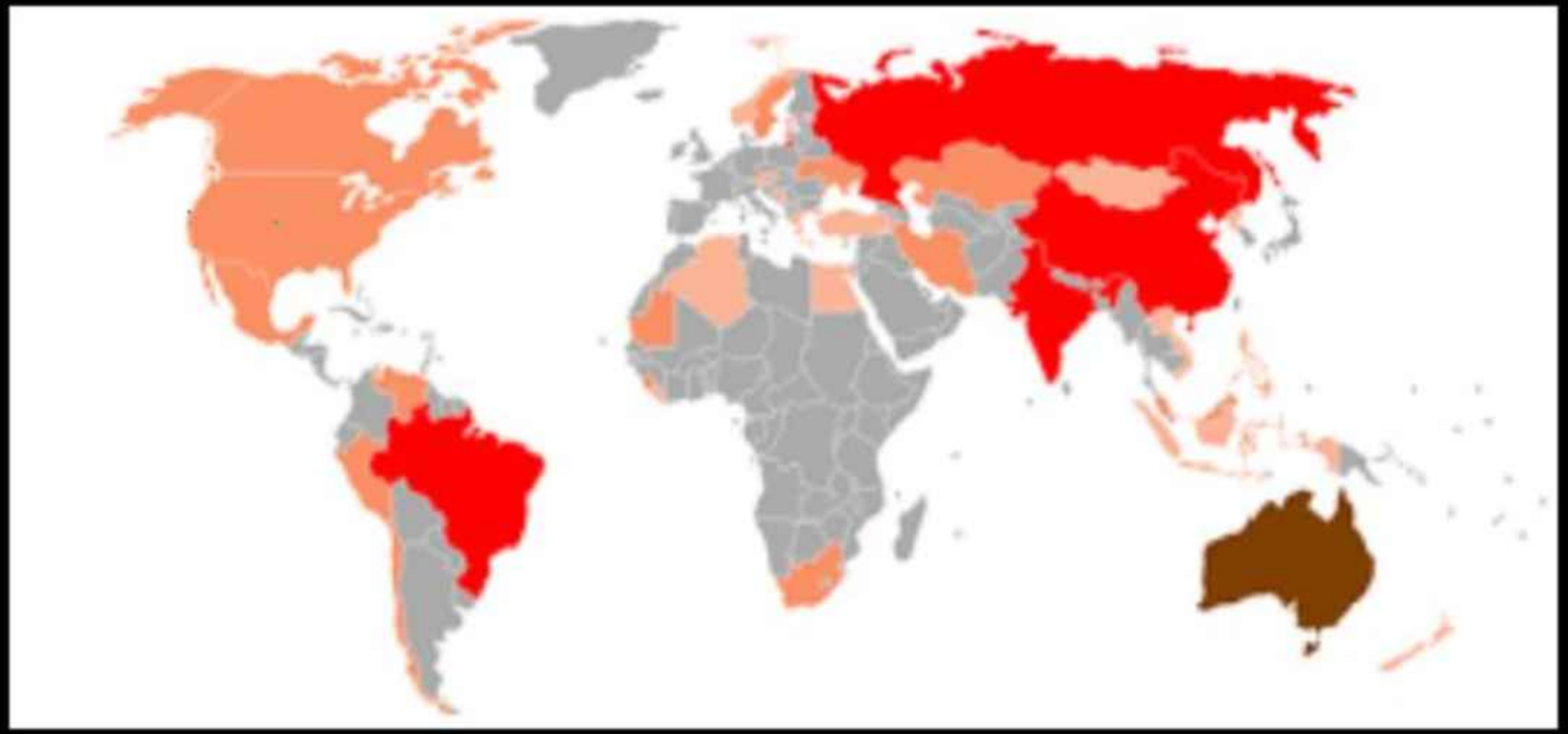
- वर्तमान समय में भारत विश्व में लौह अयस्क उत्पादन में चतुर्थ स्थान रखता है।

At present, India ranks fourth in iron ore production in the world.



- लौह अयस्क के भण्डार की दृष्टि से कर्नाटक व उत्पादन की दृष्टि से ओडिशा राज्य प्रथम स्थान पर है।

In terms of storage of iron ore in the india,Karnataka stand first and Odisha state stand first in terms of production.



- भारत में लौह अयस्क प्रायद्वीपीय भारत की धारवाड़ क्रम की चट्टानो में पाया जाता है।

In India, iron ore is found in the rocks of the Dharwad series of peninsular India.

- लौहांश की मात्रा के आधार पर लौह अयस्क चार प्रकार के होते है-

There are four types of iron ore on the basis of iron content-

मैग्नेटाइट

Magnetite





मैग्नेटाइट

- यह सर्वोतम किस्म का काले रंग का लौह अयस्क है।

It is the best type of black colored iron ore.

- इसमें लौहांश की मात्रा 72% तक होती है।

The amount of iron in it is up to 72%.



- यह आग्नेय शैलो वाले क्षेत्र मे पाया जाता है।

It is found in areas with igneous rocks.

- यह भारत के दक्षिणी क्षेत्र कर्नाटक (कुन्द्रेमुख), आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडू (सलेम), केरल (कोझीकोड़) में पाया जाता है ।

It is found in the southern region of India in Karnataka (Kundremukh), Andhra Pradesh and Tamil Nadu (Salem), Kerala (Kozhikode).

हेमेटाइट

Hematite





- भारत में यह सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है।

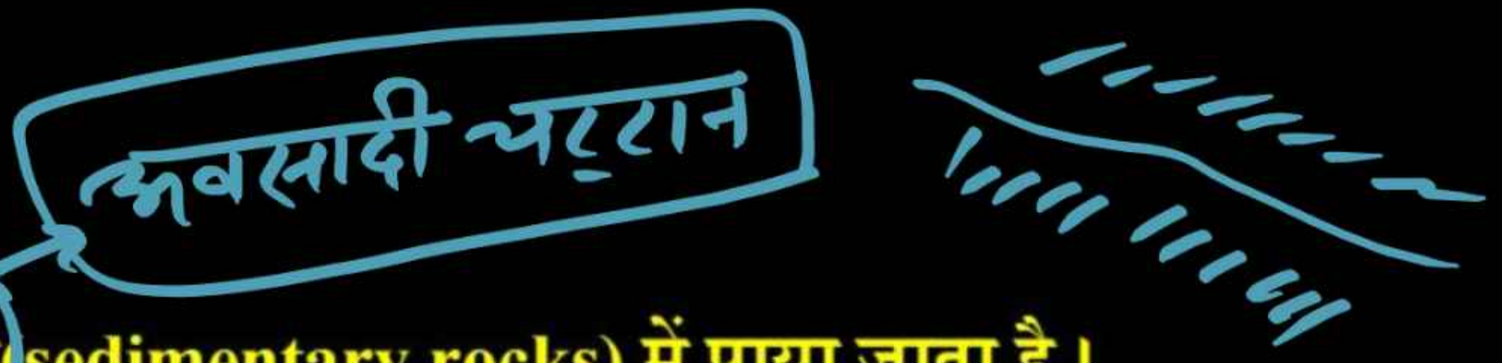
It is found in maximum quantity in India.

- यह लाल रंग का लौह अयस्क है ।

It is red colored iron ore.

- इसमें लौहांश की मात्रा 60-70% तक होती है।

The amount of iron in it is up to 60-70%.



- यह जलज चट्टानो(sedimentary rocks) में पाया जाता है ।

  It is found in marine sedimentary rocks.

- भारत में यह लौह अयस्क उडीसा व छतीसगढ में पाया जाता है।

In India, this iron ore is found in Orissa and Chhattisgarh.

लिमोनाइट

Limonite :-





- यह अवसादी शैलो से प्राप्त होने वाला अयस्क है।

It is an ore obtained from sedimentary rocks.

- इसमें लौहांश की मात्रा 40- 50% तक होती है। इसका रंग हल्का पीला अथवा हल्का भूरा होता है ।

The amount of iron in it ranges from 40 - 50%. Its color is light yellow or light brown.

सिडेराइट

Siderite





- यह अवसादी शैलो से प्राप्त होने वाला अयस्क है, जिसे फेरस कार्बोनेट कहते है।

It is an ore obtained from sedimentary rocks, which is called ferrous carbonate.

- इसमें लौहांश की मात्रा 40-45% तक होती है।

The amount of iron in it is up to 40-45%.

- इसका रंग भूरा होता है।

Its color is brown.

लौह अयस्क उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र

Major areas of iron ore production

राज्य		क्षेत्र
छत्तीसगढ़	-	डल्ली राजहरा पहाड़ी, बैलाडिला, दंतेवाड़ा, बस्तर
कर्नाटक	-	कुद्रेमुख, बेल्लारी, बाबा बूदन, शिमोगा, चित्रदुर्ग, बीजापुर
ओडिशा	-	बादाम पहाड़ी, गुरुमहिसानी, क्योंझर, ठकुरानी, सुलईपत
झारखण्ड	-	नोआमंडी, सिंहभूम, पलामू, गुआ

- लौह अयस्क विशाखापत्तनम, पारादीप, मार्मुगाओ और मंगलौर के पत्तनों से निर्यात किया जाता है।

Iron ore is exported from the ports of Visakhapatnam, Paradip, Marmugao and Mangalore.

- लोहे का उपयोग मशीनों के निर्माण, कृषि उपकरण तथा अन्य सामान्य उपयोग की वस्तुओं के बनाने में होता है।

Iron is used in the manufacture of machines, agricultural equipment and other common use items.

चाँदी (Silver)





- चाँदी अधिकतर जस्ता, ताँबा, शीसा अथवा सोने के अशुद्ध अयस्क के साथ मिश्रित रूप में पाया जाता है। विशुद्ध रूप में चाँदी की खानें भारत में नहीं पायी जाती हैं। भारत में इसका उत्पादन बहुत ही कम होता है ।

Silver is mostly found mixed with impure ores of zinc, copper, lead or gold. Pure silver mines are not found in India. Its production in India is very less.

- देश में इसका सर्वाधिक उत्पादन राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में होता है।

Its maximum production in the country is in Chittorgarh, Rajasthan.

- चाँदी के दो उत्पादक राज्य (2017-18, अ.)

क्रम	राज्य
• प्रथम	राजस्थान (99.9%)
• द्वितीय	कर्नाटक (0.03%)



- चाँदी उत्पादन क्षेत्र में कोलार क्षेत्र कर्नाटक में और राजस्थान में जावर क्षेत्र प्रमुख माने जाते हैं।

Kolar region in Karnataka and Javar region in Rajasthan are considered prominent in silver production.

- भारत में चाँदी का सर्वाधिक उत्पादन हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड व उसके बाद हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के द्वारा किया जाता है।

The maximum production of silver in India is done by Hindustan Zinc Limited followed by Hindustan Copper Limited.